JAIN REFERENCE LIBRARY
ACHARYA SURENDRASURISHWARJI JAIN TATVA GYANSHALA
12, SHREYANSNATH SOCIETY, B/H DHARNIDHAR TEMPLE,
GODAVARI ROAD, VASANA, AHMEDABAD-7

919 Search Results for amar

(1) सातवशार्तमरण, (2) (ब्रह्म) कामराज, (3) आदेश्वर जिनालय, कठोर, कामरेज, सुरत, (4) आदिंतियमरण, (5) आद्यन्तमरण, (6) आगम-वाचना में संयमपर्याय की कालमर्यादा , (7) आहियडमरं, (8) आमरणान्त दोष, (9) आमरणदोसो, (10) आमरणंतदोसे, (11) आमर्जन, (12) आमर्ष, (13) आमर्ष औषध ऋद्धि, (14) आमर्ष-औषधि , (15) आमर्शलब्धि, (16) आमर्शन, (17) आमषौषधप्राप्त, (18) आमशौषधि ऋद्धि, (19) आमषौषधि :, (20) आमशौषधिप्राप्त, (21) आमर्षोषधॉ, (22) आराधक : आलोचना हेतु समर्पित , (23) आराहणामरणंते, (24) आसमरूवं, (25) आसन्नमरण, (26) आत्यन्तिकमरण, (27) आवीचियमरणं, (28) आविइयमरण, (29) आयंतियमरणे, (30) अभिगमरुचि, (31) अभिगमरुई, (32) अभुज्जियमरणं, (33) अघमर्षण, (34) अज्ञानमरण, (35) अज्ञानीयों के बालमरण , (36) अहमरेंतो, (37) अहिगमरुइ, (38) अजर-अमर, (39) अजरामर, (40) अकाममरण, (41) अकाममरणम्, (42) अकाममरणीय, (43) अकाममरणिज्ज, (44) अकाममरणिज्जं, (45) अलोक में देव का हाथ आदि फैलाने के असामर्थ्य का निरूपण, (46) अल्पऋद्धिक आदि देव-देवियों का परस्पर मध्य में से गमन सामर्थ्य का प्ररूपण, (47) अमर, (48) अमर कुमार, (49) अमर सुरसुंदरी रास, (50) अमर(मुनि), (51) अमरा, (52) अमरादे, (53) अमराजरि, (54) अमरावर्त, (55) अमरावती, (56) अमरबाई, (57) अमरबत्तीसी, (58) अमरचन्द्रसूरि, (59) अमरचंद, (60) अमरचंद बांठिया, (61) अमरचंद लोहड़ा, (62) अमरचंद नाहटा, (63) अमरचंद्र, (64) अमरचंद्र मुनि , (65) अमरचंद्र(सूरि), (66) अमरचंद्र-१, (67) अमरदत्त, (68) अमरदत्त मित्रानन्द रास, (69) अमरदत्त मित्रानंद चौपई, (70) अमरदत्त मित्रानंद चोपाई , (71) अमरदत्त मित्रानंद रास, (72) अमरदत्त मित्रानंदनो रास, (73) अमरदत्तमित्रानंद रास, (74) अमरद्वासप्ततिका, (75) अमरगणि, (76) अमरगुप्त चरित , (77) अमरगुप्तचरित्र अथवा अमरतरंग, (78) अमरगुरु, (79) अमरहर्ष, (80) अमरहर्ष (तपागच्छीय), (81) अमरहर्ष(गणि), (82) अमरकङ्का, (83) अमरकवि, (84) अमरकीर्ति, (85) अमरकीर्ति(सूरि), (86) अमरख, (87) अमरकंका, (88) अमरकुमार चौपई, (89) अमरकुमार रास, (90) अमरकुमार सुरसुन्दरी नो रास, (91) अमरकुमार सुरसुंदरी रास, (92) अमरकुमार सुरसुंदरीनो रास, (93) अमरकुमारनी ढालो , (94) अमरकुमाररास, (95) अमरमाणिक्य, (96) अमरपाल, (97) अमरपति, (98) अमरप्रभ, (99) अमरप्रभसूरि, (100) अमरराज, (101) अमररक्ष, (102) अमररत्न, (103) अमररत्न(सूरि), (104) अमररत्न(सूरि)शिष्य, (105) अमररत्नसूरि (आगमगच्छीय), (106) अमररत्नसूरिफागु, (107) अमरसाधु, (108) अमरसागर, (109) अमरसागर, राजस्थान, (110) अमरसाल, (111) अमरसेन , (112) अमरसेण, (113) अमरसेन (वयरसेन), (114) अमरसेन चौपई, (115) अमरसेन राजर्षि आख्यानक, (116) अमरसेन रास, (117) अमरसेन वैरसेन चोपाई , (118) अमरसेन वैरसेन रास, (119) अमरसेन वयर संधि, (120) अमरसेन वयरसेन आख्यानक , (121) अमरसेन वयरसेन चरित्र, (122) अमरसेन वयरसेन चौपइ, (123) अमरसेन वयरसेन चोपाई, (124) अमरसेन वयरसेन प्रबंध , (125) अमरसेन वयरसेन रास , (126) अमरसेनचरिउ, (127) अमरसेनवयरसेनचौपाइ, (128) अमरशतक बालावबोध, (129) अमरसिंधुर, (130) अमरसिंह, (131) अमरसिंह जी म. (आचार्य), (132) अमरसिंह जी महाराज (आचार्य), (133) अमरसिंह शलोको , (134) अमरसिंहसूरि, (135) अमरसूमरा, (136) अमरसूरि (नागेन्द्रगच्छीय), (137) अमरसोवमं, (138) अमरसुंदर(पंडित), (139) अमरतां, (140) अमरवइ, (141) अमरवति, (142) अमरविजय, (143) अमरविजय-उ, (144) अमरविजय-१, (145) अमरविजय-२, (146) अमरविजय-४, (147) अमरविजय-५, (148) अमरविजय-६, (149) अमरविक्रम, (150) अमरविमाण, (151) अमरी, (152) अमरेसर, (153) अमरिख, (154) अमरिसणा, (155) अमरिसिओ, (156) अमरिसं, (157) अमर्ष, (158) अमर्षाध्पात, (159) अमर्षण, (160) अमरुशतक, (161) अमरुशतक बालावबोध, (162) अनन्तधामर्षि, (163) अनन्तरोपपन्नकादि चौबीसदंडकों में पाप-कर्म और अष्टकर्मो का समर्जन-समाचरण, (164) अनशन (पंडितमरण) के प्रकार , (165) अङ्गारमर्दक, (166) अंगारमर्दक कथा, (167) अंगारमर्द्दक :, (168) अनिच्छाप्रवृत्तदर्शनबालमरण, (169) अनंतना 9 प्रकार, जिज्ञासा - प्रशमरत्नविजय, (170) अन्तःशल्यमरण, (171) अंतःशल्यमरण, (172) अंतोसल्लमरणे, (173) अनुत्तरोपपातिक देवों को अनन्त मनोद्रव्य वर्गणाओं के जानने-देखने के सामर्थ्य का प्ररूपण, (174) अपरमर्मवेधित्व, (175) अर्धसागरोपम स्थिति वाले देव का सामर्थ्य , (176) असमर्थ, (177) असमर्थ को प्रव्रजित करने का प्रायश्चित्तसूत्र , (178) असमर्थ से सेवा करवाने का प्रायश्चित्त सूत्र , (179) असमर्था, (180) असमर्थकारण, (181) असुरकुमार देवोनुं गतिसामर्थ्य, लेखक - राजदर्शनविजय, (182) असुरकुमारों का ऊर्ध्वगमन सामर्थ्य प्ररूपण, (183) असुरेन्द्र चमर कृत जन्म-महिमा, (184) अत्यंतमरण, (185) अवसन्नमरण, (186) अव्यक्तबालमरण, (187) अयरामरं, (188) बाल, पंडित और बालपंडितमरण, (189) बाल-पण्डितमरण, (190) बालबालमरण, (191) बालमरण, (192) बालमरण और पण्डितमरण का फल , (193) बालमरण का स्वरूप , (194) बालमरण के प्रकार , (195) बालमरण की प्रशंसा के प्रायश्चित्त सूत्र , (196) बालपण्डितमरण, (197) बालपंडितमरण, (198) बहुसमरमणिज्ज, (199) बलमानवर्शातमरण, (200) भ. महावीर के साथ विवाद करने में गोशालक का असामर्थ्य और उसका लौट जाना, (201) भ. महावीर के समीप चमरेन्द्र का पुनरागमन, (202) भ.

महावीर की निश्रा में चमरेन्द्र का शकेन्द्र को अपमानित करने के लिए जाना, (203) भामरभोली, (204) भामरी, (205) भामरं, (206) भगवान ने गौशालक की तेजोलेश्या का सामर्थ्य और गौशालक का सिद्धान्त कहा, (207) भक्तामर अवचूरि, (208) भक्तामर बालावबोध , (209) भक्तामर भाषा , (210) भक्तामर भाषा कथा, (211) भक्तामर चरित्र , (212) भक्तामर सवैया, (213) भक्तामर स्तोत्र, (214) भक्तामर स्तोत्र बालावबोध, (215) भक्तामर स्तोत्र भाषा , (216) भक्तामर स्तोत्र पद्यानुवाद, (217) भक्तामर स्तोत्र रागमाला , (218) भक्तामर स्तोत्र सुबोधिनी वृत्ति, (219) भक्तामर स्तोत्र वृत्ति, (220) भक्तामर स्तोत्रोत्पत्ति कथा , (221) भक्तामर टब्बा, (222) भक्तामर टव्वा , (223) भक्तामरपूजा, (224) भक्तामरस्तोत्र बालावबोध , (225) भक्तामरस्तोत्र रागमाला, (226) भक्तप्रत्याख्यानमरण, (227) भमर, (228) भमरा, (229) भमरा गीत , (230) भमरावली, (231) भमरडउ, (232) भमरकुल, (233) भमरला, (234) भमरटेंटा, (235) भमरी, (236) भरत को गंगादेवी ने दो स्वर्ण-सिंहासन समर्पित किये, (237) भत्तपच्चक्खाणमरण, (238) भवमरण, (239) भवनपतियों की परिषदाएँ - चमर की परिषदाएँ, (240) भूतकाळ करतां भविष्यकाळ अनंतगणो, जिज्ञासा - प्रशमरत्नविजय, (241) भ्रामर, (242) भ्रामरी, (243) भ्रामरी वृत्ति, (244) भ्रामरी-विद्या, (245) भ्रमर, (246) भ्रमराहार, (247) भ्रमरगीता , (248) भ्रमरगीता- फाग, (249) भ्रमरघोष, (250) भ्रमरक, (251) भ्रमरकेतु, (252) भ्रमरोग, (253) चामर, (254) चामरच्छाय, (255) चामरहारी, (256) चामरयुगल, (257) चमर, (258) चमर चंचा में काली देवी, (259) चमर की तीन परिषदाओं के प्रयोजन, (260) चमरात, (261) चमरचम्पा, (262) चमरचञ्चा, (263) चमरचंचा, (264) चमरचंचा आदि में उपपात विरहकाल प्ररूपण, (265) चमरचंचा के प्रत्येक द्वार के बाहर भौम (नगर) , (266) चमरस्स-अग्गमहिसी, (267) चमरस्य-अग्रमहिषी, (268) चमरी, (269) चमरेन्द्र, (270) चमरेन्द्र का चमरचंचावास, (271) चमरेन्द्र कथा, (272) चमरेंद्र की सुधर्मा सभा, (273) चमरेन्द्र ने भ. महावीर के चरणों की शरण ली, (274) चमरेन्द्र-ईशानेन्द्र द्वारा नाटकनी रजुआत, लेखक - राजदर्शनविजय, (275) चमरेन्द्रनी अग्रमहियीओ, (276) चमरेन्द्रनी विकुर्वणानी शक्ति अने वायुभूतिनी क्षमापना, लेखक - राजदर्शनविजय, (277) चन्द्रमरीचि, (278) चतुरशीति समर्जितादि विशिष्ट चौबीसदंडकों और सिद्धों का अल्पबहुत्व, (279) चतुर्विधामर, (280) चौबीसदंडकों और सिद्धों में चतुरशीति समर्जितादि का प्ररूपण, (281) चौबीसदंडकों और सिद्धों में द्वादश समर्जितादि का प्ररूपण, (282) चौबीसदंडकों और सिद्धों में षट्कसमर्जितादि का प्ररूपण, (283) छब्भामरी, (284) छद्मस्थमरण, (285) छद्मस्थमरण, (286) छि दमर सुकी, (287) छिदमर, (288) दाक्षिणात्य असुरेन्द्र चमर, (289) डामर, (290) डामर [कवि], (291) डामरियो, (292) दामर्षी, (293) डमर, (294) दमर, (295) डमराइं, (296) डमराणि, (297) दमरक, (298) डमरकर, (299) डमरुह, (300) डमरुक, (301) डमरुक मुद्रा, (302) दर्शनबाल-इच्छामरण, (303) दर्शनबालमरण, (304) दर्शनपण्डितमरण, (305) दीवान अमरचंद, (306) देशामर्शक, (307) देव का भावितात्मा अणगार के मध्य में से निकलने के सामर्थ्य-असामर्थ्य का प्ररूपण, (308) देवता ने नियतिवाद का समर्थन किया, (309) देविंदामरभवणं, (310) देवों में धातकीखण्डद्वीप की परिक्रमा करने में सामर्थ्य का निरूपण, (311) देवों में लवण समुद्र की परिक्रमा करने के समर्थ्य का परुपण, (312) देवों में रुचकवर द्वीप की परिक्रमा करने के सामर्थ्य का निरूपण, (313) ढमर, (314) द्वादश समर्जितादि विशिष्ट चौबीसदंडकों का और सिद्धों का अल्पबहुत्व, (315) एकामर्शा, (316) गामरडय, (317) गामरेड, (318) गामरोड, (319) गमरोट्ट, (320) गौतमरास, (321) गौतमरास (मरु-गुर्जर की रचना), (322) गयमर, (323) ज्ञानपण्डितमरण, (324) गृद्धपृष्ठ और वैहायसमरण, (325) गृद्रघ्रपृष्ठमरण, (326) गृहस्थलिंगसिद्ध अने अन्यलिंगसिद्ध, जिज्ञासा - प्रशमरत्नविजय, (327) गुद्धपृष्ठमरण, (328) हिन्दी भक्तामर, (329) हुकुमचंद जैन कानूनगो (अमर शहीद), (330) इच्छाप्रवृत्तदर्शनबालमरण, (331) इन्द्रियवशार्तमरण, (332) इंगियमरणं, (333) जातीसमरण, (334) जमर, (335) जीव-चौबीसदण्डकों में पापकर्म और अष्टकर्मो का समर्जन-समाचरण, (336) जीवराम अजरामर गौर, (337) झामर, (338) झामर माटि, (339) झामरझोळे, (340) झमर, (341) झमरु, (342) झरमर, (343) कामराग, (344) कामराग:, (345) कामराज (कवि), (346) कामराशि, (347) कामर्द्धि, (348) कामर्द्धिक, (349) कामर्धिकगण, (350) कामरूप, (351) कामरूपिणी, (352) कामरूपित्व, (353) कायेन शापानुग्रहसमर्थ, (354) कनकामर, (355) कनकामर (मुनि), (356) करमरी, (357) करमरिअ, (358) केशिकुमार श्रमण के वक्तव्य में " जीव की अप्रतिहत गति का समर्थन ", (359) केशिकुमार श्रमण के वक्तव्य में - " जीव और शरीर के अन्यत्व समर्थन में अपर्याप्त उपकरण हेतु का निरूपण ", (360) क्रोधवशार्तमरण, (361) क्रूरामर, (362) कृष्णगोपी विरहमेलापक भ्रमरगीता , (363) कुलमानवशार्तमरण, (364) कुंकमरोल, (365) लाभमानवशार्तमरण, (366) लिङ्गपरामर्श, (367) लोभवशार्तमरण, (368) मानमर्दन, (369) माता-पिताओं ने प्रव्रज्या ग्रहण करने से रोका और जमाली ने प्रव्रज्या ग्रहण करने का समर्थन किया, (370) मध्यमरुचक, (371) मध्यमरुचकपर्वतवासी दिशाकुमारीकृत नाभिनालकर्तन, (372) महादामर्द्धि, (373) महामरुता, (374) महामरुता कथा, (375) महासमरसंघाओ, (376) महासती अमरू जी का चरित्र , (377) महातमराम, (378) महमरुय, (379) महमरुया, (380) महर्द्धिकादि देव का तिर्यक् पर्वतादि के उल्लंघन-प्रलंघन के सामर्थ्य-असामर्थ्य का प्ररूपण, (381) मनसा शापानुग्रहसमर्थ, (382) मरमरसबद, (383) मरुबमरीचिका, (384) नारचंद्र स्तबक, भक्तामर मंत्रकल्प , (385) नारकद्रव्यात्यन्तिकमरण, (386) नैगमर्ष, (387) नमिनाथ जिनालय, कामरेज, सुरत, (388) नेमिनाथ भ्रमर गीता, (389) नेमिनाथ भ्रमरगीता , (390) निदानमरण, (391) निगमरूव, (392) निंदाने कया अभिप्रायथी मृषावाद गणी छे ?, जिज्ञासा - प्रशमरत्नविजय, (393) नित्यमरण, (394) णियाणमररगे, (395) नोकषायवशार्तमरण, (396) ओधमरण, (397) ओसण्णमरण, (398) ओसष्णमरण, (399) पादपोपगमनमरण, (400) पामर, (401) पामरक :, (402) पामरत्वम्, (403) पामरी, (404) पाओवगमणमरण, (405) पाप का परामर्श देने वाले मृषावादी, (406) पारमर, (407) पहीणजरमरण, (408) पकामरसभोई, (409) पक्खी प्रतिक्रमणनी विधि, जिज्ञासा -

प्रशमरत्नविजय, (410) पण्डितमरण, (411) पण्डितमरण का स्वरूप , (412) परामर्श, (413) परामर्शः, (414) परमर्दिदेव (चंदेलनृपति), (415) परमर्षयः, (416) पर्वतविद्रमग्र्य, (417) पीठमर्दक, (418) पंच नमस्कार टबो, उवसग्गहरत्थय टबो, संतिकरत्थय बालावबोध, अजियसंतित्थय बालावबोध, भक्तामर स्तोत्र टबो , (419) पंडियमरण, (420) पंडियपंडियमरणं, (421) पूरण का चमरचंचा में असुरेन्द्र के रूप में उपपात, (422) प्रायोगमनमरण, (423) प्रायोग्यमगनमरण, (424) प्रभु महावीरदेवनो गर्भकाळ..., जिज्ञासा - प्रशमरत्नविजय, (425) प्रदेशावीचिकामरण, (426) प्रज्ञावशार्तमरण, (427) प्रयोजनवश वैहायस-गृध्रपृष्ठमरण सम्मत , (428) राजअमर, (429) रामरास, (430) रामरास अथवा ढालसागर , (431) रामरासो , (432) रामरक्खिया, (433) रामरक्खियात, (434) रामरक्षिता, (435) रामरक्षिता (आर्या), (436) रामरक्षिता कथा, (437) रथमर्दन, (438) रूपवशार्तमरण, (439) ऋद्धि की अपेक्षा देव-देवियों का परस्पर मध्य में से व्यतिक्रमण सामर्थ्य का प्ररूपण, (440) सामरा, (441) सामरती, (442) सामरि, (443) सामर्थ्या, (444) सामर्थ्यम्, (445) सामर्थ्यव्याख्यानम्, (446) सामर्थ्ययोगः, (447) सकाममरण, (448) समर, (449) समर चरित्र , (450) समर केसरी, (451) समरा रासो, (452) समरा शा, (453) समरा [कवि], (454) समरा- रास, (455) समरा-मंडप, (456) समराअ, (457) समरादित्य, (458) समरादित्य केवली, (459) समरादित्य केवली नो रास , (460) समरादित्य केवलीनो रास , (461) समरादित्यकेवलीनो रास , (462) समराइअ, (463) समराइच्चकहा, (464) समरारास, (465) समराशाह, (466) समरावता, (467) समरचन्दसूरि, (468) समरचन्द्र [लोकागच्छीय], (469) समरचन्द्र [पार्श्वचन्द्र के शिष्य], (470) समरचन्द्र [पार्श्वचन्द्रगच्छीय], (471) समरचन्द्र-शिष्य, (472) समरचंद्र (सूरि) , (473) समरचंद्रशिष्य, (474) समरधर्मम्, (475) समरकणग, (476) समरणी, (477) समरपंथी, (478) समरसद्दहय, (479) समरसइ, (480) समरसिंघ, (481) समरसिंह, (482) समरसिंह [महामात्य], (483) समरथ, (484) समरति, (485) समरट्ट, (486) समरवहिय, (487) समरि समरि थाइ, (488) समरंगण, (489) समरो, (490) समर्पण, (491) समर्थ, (492) समर्थ के द्वारा अकाम-प्रकाम वेदना का वेदन, (493) समर्थाई, (494) समर्थः, (495) समर्थकारण, (496) समर्थना, (497) समर्त्यमुद्रा, (498) सङ्ग्रामरथः, (499) सर्व जीवों के सुख-दुःख को अणुमात्र भी दिखाने में असामर्थ्य का प्ररूपण, (500) सशल्यमरण, (501) सशल्यमरण से अनंत संसार , (502) सीमंधरस्वामी जिनालय, नवागाम, कामरेज, सुरत, (503) शांतिनाथ जिनालय, करजण, कामरेज, सुरत, (504) शांतिनाथ जिनालय, कठोर, कामरेज, सुरत, (505) षड्भ्रामरी, (506) शैक्षभूमि : सामायिक चारित्र की कालमर्यादा , (507) शकेन्द्र के वैभव से चमरेन्द्र को ईर्ष्या उत्पन्न हुई, (508) शकेन्द्र ने चमरेन्द्र पर व्रज फेंका, (509) शरीरमरण, (510) षट्क समर्जितादि विशिष्ट चौबीसदंडकों और सिद्धों में अल्पबहुत्व, (511) शीतलनाथ (घरदेरासर) जिनालय, खोलवड, कामरेज, सुरत, (512) श्री भक्तामर स्तोत्र समस्यारूप श्री वीर जिनस्तवन, (513) श्रीभक्तामरनी रचना वखते मात्र श्रीमानतुंगसूरि म. नी बेडीओ तुटी हती ?, लेखक- शीलचन्द्रविजय, (514) श्रीदामराजसुत, (515) श्रुतमानवशार्त्तमरण, (516) स्कंदक का उत्तर देने में असामर्थ्य, (517) संगामरह, (518) संघपतिसमरसिंह - रास, (519) संजमरिया, (520) संकलिष्ट लेश्यामरण, (521) संक्लिश्यमरण, (522) संयमपर्याय की कालमर्यादा क्यों ?, (523) संयमरमण : सुरसुख , (524) संयमरत्न सूरि स्तुति, (525) संयमरत्न(सूरि) , (526) संयमरत्नसूरि, (527) स्थापना द्वीपंचाशिका, अमरसत्तरी, नियतानियत प्रश्नोत्तर प्रदीपिका , (528) स्थविरों ने मेघकुमार श्रमण के आचार भाण्ड समर्पित किये, (529) स्थित्यावीचिकामरण, (530) सुरामरगुरु, (531) सुरसुंदरी अमर कुमार रास , (532) सुरसुंदरी अमरकुमार रास, (533) सुरसुन्दरी अमरकुमार रास, (534) तामर, (535) तामरस, (536) तामरसे, (537) तब्भवमरणं, (538) तद्भवमरण, (539) तदुभवमरण, (540) टमर, (541) तमरा, (542) तमरय, (543) तपोमानवशार्तमरण, (544) तत्समर्धं, (545) तीन प्रकार की चमर परिषदाओं में देवियों की संख्या, (546) तीन प्रकार की चमर परिषदाओं में देवों की संख्या, (547) तोरणों के ऊपर चामरयुक्त ध्वजाएँ, (548) त्रिविक्रमरास, (549) उड्डामर, (550) उड्डमर, (551) उड्डमरं, (552) उनाळामां सुखडी वगेरेनो काळ केम घटे छे ?, जिज्ञासा - प्रशमरत्नविजय, (553) उपमर्दः, (554) उपस्थापना की कालमर्यादा , (555) उत्तमराम, (556) उट्ठमर, (557) वामरि, (558) वामरोर, (559) वासुपूज्यस्वामी जिनालय, अमरोली, चोर्यासी, सुरत, (560) वचसा शापानुग्रहसमर्थ, (561) वधमर्षण, (562) वज्त्रचामर, (563) वज्त्रचमर, (564) वलाकामरण, (565) वलायमरण, (566) वलयामरणं, (567) वलयमरण, (568) वसन्तडमरा, (569) वसट्टमरण, (570) वशार्तमरण, (571) वशार्त्तमरण, (572) वीतराग सम्मत बेहानस बालमरण , (573) वेहाणसमरण, (574) वेहणसमरण, (575) विद्याघरों के राजा नमि-विनमि ने भरत को स्त्री रत्न आदि समर्पित किये, (576) विजितसमर, (577) विक्रमराज खापरा रास , (578) विक्रमरास, (579) विक्रमराय चरित्र , (580) विमलनाथ जिनालय, वाव, कामरेज, सुरत, (581) विप्पाणसमरण, (582) विसुद्धयमरियं, (583) व्युत्तस्रुष्टमरण, (584) अआरम्भ - असारम्भ - असमारम्भ के सात-सात प्रकार , (585) आभियोगक देव ने भ. महावीर के समवसरण की भूमिका का संप्रामार्जन किया, (586) आचार्य के चरण-प्रमार्जन की विधि , (587) आरम्भ - सारम्भ - समारम्भ के सात-सात प्रकार , (588) आरम्भ-समारम्भ, (589) आरंभसमारंभो, (590) आसममारो, (591) अमार, (592) अमारी, (593) अमारी की घोषणा होने पर भी रेवती का मांस-मद्य सेवन, (594) अमार्गदर्शन, (595) अमारि, (596) अमारि कई रीते पळाववी ?, लेखक - मुक्तितिलकविजय, (597) अनायुक्तप्रमार्जनता क्रिया, (598) अनगारमार्ग, (599) अणमारे, (600) अन्य मार्ग के अभाव में जलमार्ग-गमन , (601) अन्यरामारति, (602) अप्रमार्जन असंयम, (603) अप्रमार्जनासंयम, (604) अप्रमार्जित, (605) अप्रमार्जित-दुष्प्रमार्जित-शय्यासंस्तारक, (606) अप्रमार्जित-दुष्प्रमार्जित-उच्चारप्रस्त्रवणभूमि, (607) अप्रमार्जितचारित्वम्, (608) अप्रत्यवेक्षित-अप्रमार्जित आदान निक्षेप अतिचार, (609) अप्रत्यवेक्षित-अप्रमार्जित संस्तारोपक्रमण अतिचार, (610) अप्रत्यवेक्षित-अप्रमार्जित उत्सर्ग अतिचार, (611) अप्रत्यवेक्षिताप्रमार्जित-संस्तरोपक्रमण,

(612) अप्रत्यवेक्षिताप्रमार्जितादान, (613) अप्रत्यवेक्षिताप्रमार्जितोत्सर्ग, (614) असमारभमाणस्स, (615) अस्वाध्याय : महामारी, दुर्भिक्ष, युद्ध , (616) अवमारियं, (617) बालमारए, (618) भामारति, (619) भावनामार्ग:, (620) भव्यमार्गणा, (621) भिक्षामार्ग, (622) भिन्नमार्ग:, (623) भोज [परमार नृपति], (624) द्दष्टपरमार्थसार :, (625) देवयानमार्ग:, (626) ढोलामारूकीवार्ता, (627) ढोलामारुनी वार्ता, (628) धूम्रमारग, (629) दोणमुहमारो, (630) दुष्प्रमार्जित, (631) दुष्प्रमार्जित निक्षेप, (632) दुष्प्रमार्जितचारित्वं, (633) गामार, (634) गमार, (635) गमारि, (636) गमनमार्ग, अवस्थान और याचनाविधि , (637) गयमारिणी, (638) गीत परमार्थी, (639) गुणस्थान क्रमारोह वाला, (640) गुणस्थानकक्रमारोहनी स्वोपज्ञवृत्तिमां ऊद्धृत एक श्लोक अंगे, लेखक - श्रुतांगचन्द्रविजय, (641) गुणस्थानक्रमारोह बालावबोध , (642) हयमार, (643) जगदेव परमार नी वार्ता , (644) जगदेव परमारनी वार्ता , (645) जमार, (646) जमारउ, (647) जिन वाणी गुणनामार्थ स्तवन , (648) जितकामारि, (649) ज्योति:समारम्भ, (650) कामारि, (651) कमारगाम, (652) क्षमारत्न, (653) क्षमारत्न (वाचक), (654) क्षमारंग, (655) कुकडामार्जारी रास , (656) मारामारी, (657) मारमारगउदीपक, (658) मध्यमाराधका:, (659) मंडबमारी, (660) मोक्षमार्ग, (661) मोक्षमार्ग जिज्ञासा , (662) मोक्षमार्ग प्रभावना, (663) मोक्षमार्गगति, (664) मोक्षमार्ग:, (665) मुञ्ज [परमार नृपति], (666) नामार्थ गर्भित स्तव , (667) नगरमारी, (668) निबन्धमार्ग, (669) निर्वाणमार्ग, (670) निर्याणमार्ग, (671) निश्चय मोक्षमार्ग, (672) णियमारक्खिओ, (673) पारमार्थिक, (674) पारमार्थिक नोकर्मद्रव्यक्षेत्र, (675) पारमार्थिक प्रत्यक्ष, (676) पारमार्थिक प्रत्यक्ष के भेद, (677) पारमार्थिक प्रत्यक्षाभास, (678) पारमार्थिकात्यन्नाभाव:, (679) पारमार्थिकप्रत्यक्ष, (680) पारमार्थिकप्रत्यक्षाभास, (681) पारमार्थिकीप्रभा, (682) पदमार्गादि निर्माण करने का प्रायश्चित्त सूत्र , (683) पदमार्गादि सम्बन्धी प्रायश्चित्त सूत्र , (684) पगनी प्रमार्जना अंगेनो विधि, लेखक - तारकचन्द्रसागर, (685) पमार, (686) पमारी, (687) परमाराम, (688) परमारथ, (689) परमार्हन्त्य, (690) परमार्थ काल, (691) परमार्थ प्रकाश , (692) परमार्थ प्रत्यक्ष, (693) परमार्थप्रत्याख्यान, (694) परमार्थी दोहा शतक, (695) परमार्थिकसत्त्वम्, (696) पट्टणमारी, (697) पंचमार्णव, (698) प्रासुकमार्ग, (699) प्रधान मोक्षमार्ग , (700) प्रमार, (701) प्रमार्जन, (702) प्रमार्जन संयम , (703) प्रमार्जन त्रिक, (704) प्रमार्जना समाचारी, (705) प्रमार्जना संयम, (706) प्रमार्जनासंयम, (707) प्रमार्जित, (708) प्रशमारक, (709) सद्भावमार्गणा, (710) सकल पारमार्थिक प्रत्यक्ष, (711) समार (समा + रभ्), (712) समार (समा + रचय्), (713) समारभामो, (714) समारभत, (715) समारभिज्जा, (716) समारइ, (717) समारलब्भ, (718) समारलद्ध, (719) समारम्भ, (720) समारम्भ-असमारम्भ से संयम-असंयम के प्रकार , (721) समारम्भम्, (722) समारण, (723) समारथ, (724) समारथी, (725) समारिवुं, (726) समारंभ, (727) समारंभाविज्जा, (728) समारंभइ, (729) समारंभकरण, (730) समारंभति, (731) समारोडिय, (732) समारोप, (733) समारोप के भेद, (734) सीयक (परमार नृपति), (735) शहरमार, (736) शय्या-प्रवेश-प्रमार्जनविधि , (737) शिल्पकमार्य, (738) श्यामारानी, (739) श्यामार्य, (740) सिंहमारक, (741) संनिवेसमारी, (742) संपमारए, (743) संवाहमारी, (744) स्थुलमारुक्क, (745) सुंसमार, (746) सुसमारपुर, (747) स्वभावमार्दव, (748) उदायिनृपमारक, (749) उत्तमार्घम्, (750) वमारक, (751) वणसमारी, (752) वसति प्रमार्जन, (753) विकलपारमार्थिक प्रत्यक्ष, (754) व्यवहारमोक्षमार्ग, (755) योगमार्ग:, (756) चम्मरुक्ख, (757) धम्मरुची, (758) धम्मरुचि, (759) धम्मरुई, (760) धम्मरुइ, (761) धम्मरुक्खे, (762) धम्मरुती, (763) धम्मरुयि, (764) कम्मरिअ, (765) सम्मर्दा, (766) धम्मारामे, (767) कम्मारग्गाम, (768) (ब्रह्म) कामराज, (769) आदेश्वर जिनालय, कठोर, कामरेज, सुरत, (770) आमरणान्त दोष, (771) आमरणदोसो, (772) आमरणंतदोसे, (773) आमर्जन, (774) आमर्ष, (775) आमर्ष औषध ऋद्धि, (776) आमर्ष-औषधि , (777) आमर्शलब्धि, (778) आमर्शन, (779) आमर्षौषधप्राप्त, (780) आमर्शौषधि ऋद्धि, (781) आमर्षौषधि :, (782) आमर्शौषधिप्राप्त, (783) आमर्षोषधॉ, (784) आराहणामरणंते, (785) अजरामर, (786) अलोक में देव का हाथ आदि फैलाने के असामर्थ्य का निरूपण, (787) अल्पऋद्धिक आदि देव-देवियों का परस्पर मध्य में से गमन सामर्थ्य का प्ररूपण, (788) अनन्तधामर्षि, (789) अनुत्तरोपपातिक देवों को अनन्त मनोद्रव्य वर्गणाओं के जानने-देखने के सामर्थ्य का प्ररूपण, (790) अर्धसागरोपम स्थिति वाले देव का सामर्थ्य , (791) असुरकुमार देवोनुं गतिसामर्थ्य, लेखक - राजदर्शनविजय, (792) असुरकुमारों का ऊर्ध्वगमन सामर्थ्य प्ररूपण, (793) अयरामरं, (794) भ. महावीर के साथ विवाद करने में गोशालक का असामर्थ्य और उसका लौट जाना, (795) भामरभोली, (796) भामरी, (797) भामरं, (798) भगवान ने गौशालक की तेजोलेश्या का सामर्थ्य और गौशालक का सिद्धान्त कहा, (799) भक्तामर अवचूरि, (800) भक्तामर बालावबोध , (801) भक्तामर भाषा , (802) भक्तामर भाषा कथा, (803) भक्तामर चरित्र , (804) भक्तामर सवैया, (805) भक्तामर स्तोत्र, (806) भक्तामर स्तोत्र बालावबोध, (807) भक्तामर स्तोत्र भाषा , (808) भक्तामर स्तोत्र पद्यानुवाद, (809) भक्तामर स्तोत्र रागमाला , (810) भक्तामर स्तोत्र सुबोधिनी वृत्ति, (811) भक्तामर स्तोत्र वृत्ति, (812) भक्तामर स्तोत्रोत्पत्ति कथा , (813) भक्तामर टब्बा, (814) भक्तामर टव्वा , (815) भक्तामरपूजा, (816) भक्तामरस्तोत्र बालावबोध , (817) भक्तामरस्तोत्र रागमाला, (818) भ्रामर, (819) भ्रामरी, (820) भ्रामरी वृत्ति, (821) भ्रामरी-विद्या, (822) चामर, (823) चामरच्छाय, (824) चामरहारी, (825) चामरयुगल, (826) चतुर्विधामर, (827) छब्भामरी, (828) डामर, (829) डामर [कवि], (830) डामरियो, (831) दामर्षी, (832) दर्शनबाल-इच्छामरण, (833) देशामर्शक, (834) देव का भावितात्मा अणगार के मध्य में से निकलने के सामर्थ्य-असामर्थ्य का प्ररूपण, (835) देविंदामरभवणं, (836) देवों में धातकीखण्डद्वीप की परिक्रमा करने में सामर्थ्य का निरूपण, (837) देवों में रुचकवर द्वीप की परिक्रमा करने के सामर्थ्य का निरूपण, (838) एकामर्शा, (839) गामरडय, (840) गामरेड, (841) गामरोड, (842) हिन्दी भक्तामर, (843) जीवराम अजरामर गौर, (844) झामर, (845) झामर माटि, (846) झामरझोळे, (847) कामराग,

(848) कामरागः, (849) कामराज (कवि), (850) कामराशि, (851) कामर्द्धि, (852) कामर्द्धिक, (853) कामर्धिकगण, (854) कामरूप, (855) कामरूपिणी, (856) कामरूपित्व, (857) कनकामर, (858) कनकामर (मुनि), (859) क्रूरामर, (860) लिङ्गपरामर्श, (861) महादामर्द्घि, (862) महामरुता, (863) महामरुता कथा, (864) महर्द्धिकादि देव का तिर्यक् पर्वतादि के उल्लंघन-प्रलंघन के सामर्थ्य-असामर्थ्य का प्ररूपण, (865) नारचंद्र स्तबक, भक्तामर मंत्रकल्प , (866) नमिनाथ जिनालय, कामरेज, सुरत, (867) पामर, (868) पामरक :, (869) पामरत्वम्, (870) पामरी, (871) पाप का परामर्श देने वाले मृषावादी, (872) पकामरसभोई, (873) परामर्श, (874) परामर्शः, (875) पंच नमस्कार टबो, उवसग्गहरत्थय टबो, संतिकरत्थय बालावबोध, अजियसंतित्थय बालावबोध, भक्तामर स्तोत्र टबो , (876) प्रदेशावीचिकामरण, (877) राजअमर, (878) रामरास, (879) रामरास अथवा ढालसागर , (880) रामरासो , (881) रामरक्खिया, (882) रामरक्खियात, (883) रामरक्षिता, (884) रामरक्षिता (आर्या), (885) रामरक्षिता कथा, (886) ऋद्धि की अपेक्षा देव-देवियों का परस्पर मध्य में से व्यतिक्रमण सामर्थ्य का प्ररूपण, (887) सामरा, (888) सामरती, (889) सामरि, (890) सामर्थ्या, (891) सामर्थ्यम्, (892) सामर्थ्यव्याख्यानम्, (893) सामर्थ्ययोगः, (894) सङ्ग्रामरथः, (895) सर्व जीवों के सुख-दुःख को अणुमात्र भी दिखाने में असामर्थ्य का प्ररूपण, (896) सीमंधरस्वामी जिनालय, नवागाम, कामरेज, सुरत, (897) शांतिनाथ जिनालय, करजण, कामरेज, सुरत, (898) शांतिनाथ जिनालय, कठोर, कामरेज, सुरत, (899) षड्भ्रामरी, (900) शीतलनाथ (घरदेरासर) जिनालय, खोलवड, कामरेज, सुरत, (901) श्री भक्तामर स्तोत्र समस्यारूप श्री वीर जिनस्तवन, (902) श्रीभक्तामरनी रचना वखते मात्र श्रीमानतुंगसूरि म. नी बेडीओ तुटी हती ?, लेखक-शीलचन्द्रविजय, (903) श्रीदामराजसुत, (904) स्कंदक का उत्तर देने में असामर्थ्य, (905) संगामरह, (906) संकलिष्ट लेश्यामरण, (907) स्थित्यावीचिकामरण, (908) सुरामरगुरु, (909) तामर, (910) तामरस, (911) तामरसे, (912) तोरणों के ऊपर चामरयुक्त ध्वजाएँ, (913) उड्डामर, (914) वामरि, (915) वामरोर, (916) वज्त्रचामर, (917) वलाकामरण, (918) वलयामरणं, (919) विमलनाथ जिनालय, वाव, कामरेज, सुरत